अमेजान, फिल्पकार्ट के खिलाफ देश के व्यापारियों ने शुरु किया अभियान

बाजार पर फ्लिपकार्ट, अमेजन के बढ़ते एकाधिकार ने देश के लाखों खुदरा उद्यमियों को सीधी जंग के लिए विवश कर दिया है। आज 20 नवंबर को 500 से अधिक शहरों, सभी राजधानियों में विरोध दिवस के साथ व्यापारियों ने राष्ट्रव्यापी जंग का बिगुल बजा दिया है। अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस इसी मसले पर बात करने भारत आ रहे हैं। अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 20 नवंबर से देश के 500 से अधिक शहरों, राज्यों की राजधानियों में 'राष्ट्रीय विरोध दिवस' मना रहे छोटे कारोबारियों के संगठन कैट ने ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन, फ्लिपकार्ट और अन्य के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन का बिगुल बजा दिया है। उधर, देश में ई-कॉमर्स कंपनियों से जुड़े कानूनों में बदलाव से चिंतित अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के लिए जनवरी में भारत आ रहे हैं।

अमेजन ने भारत में पांच अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया हुआ है, जो विदेश में की सबसे बड़ी सब्सिडयरी है। बेजोस पीएम को बताना चाहते हैं कि अमेजन भारत में बड़ी संख्या में नौकरियों के मौके पैदा कर रही है। वह छोटे उद्यमों को भी ताकतवर बना रही है, जबकि भारतीय छोटे कारोबारियों का एक समूह विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों का विरोध कर रहा है। गौरतलब है कि फ्लिपकार्ट और अमेजन ने अक्टूबर में 15 दिन के दिवाली फेस्टिव सीजन में 31000 करोड़ रुपये मूल्य के उत्पाद बेचे थे। उसके बाद से ई-कॉमर्स कंपनियों का विरोध तेज हो चला है।

भारत के छोटे कारोबारी फ्लिपकार्ट और अमेजन पर व्यापार के अनुचित तरीके अपनाने के आरोप लगा रहे हैं। इन दोनो बड़ी कंपनियों पर प्रत्यक्ष विदेश निवेश के नियमों के उल्लंघन के भी आरोप हैं। छोटे कारोबारियों का आरोप है कि बहुत कम कीमतों पर उत्पाद बेचने की अमेजन और फ्लिपकार्ट की रणनीति से उनकी बिक्री में तेजी से गिरावट आ रही है। छोटे खुदरा व्यापारियों के इस राष्ट्रव्यापी विरोध की सबसे बड़ी वजह ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों का लगातार उल्लंघन करना बताया गया है। आरोप है कि ये कंपनियां कानून को दरकिनार कर सरकार की एफडीआई नीति के प्रेस नोट नंबर-2 का उल्लंघन कर रही हैं।

साभार : https://yourstory.com/ से